दैनिक भास्कर जामताड़ा पुलआउट 25-03-2025

150वां इंजन बना चिरेका डानकुनी ने रचा इतिहास

चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना की उपलब्धियां आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ा कदम : महाप्रबंधक

भास्कर न्यूज़ | चित्तरंजन

चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना की डानकुनी इकाई ने 150वें विद्युत रेल इंजन का निर्माण कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में यह अब तक का सबसे बड़ा उत्पादन है।

महाप्रबंधक विजय कुमार ने हरी झंडी दिखाकर डब्ल्यूएजी 9 एचसी 42476 इंजन को राष्ट्र को समर्पित किया। इस मौके पर प्रधान मुख्य विभागाध्यक्षों, वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने उपस्थिति दर्ज कराई। विजय कुमार ने कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनकी मेहनत, कुशलता और टीम वर्क का नतीजा है। उन्होंने कहा कि इस तरह की उपलब्धियां आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ा कदम हैं। पिछले साल डानकुनी इकाई ने 101 लोकोमोटिव बनाए थे। इस साल 150 रेल इंजन बनाकर अब तक का सबसे ऊंचा आंकड़ा छू लिया। यह भारतीय रेल के 100 वर्षों के विद्युत कर्षण सफर और चिरेका के 75वें स्थापना वर्ष का हिस्सा है। डानकुनी द्वारा निर्मित डब्ल्यूएजी 9 एचसी 42476 अत्याधुनिक तकनीक से लैस है। यह भारतीय रेल नेटवर्क में मालगाड़ियों के संचालन को और सुरक्षित व कुशल बनाएगा। साथ ही, हरित ऊर्जा अभियान के तहत ऊर्जा कुशलता को भी बढ़ावा देगा। इस मौके पर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों ने इसे गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि नवाचार, उत्साह और संघर्ष का प्रमाण है। महाप्रबंधक ने डानकुनी इकाई को आगे भी नई ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि चिरेका का लक्ष्य तकनीकी श्रेष्ठता बनाए रखते हुए स्वदेशी निर्माण को और बढ़ावा देना है। डानकुनी इकाई की यह उपलब्धि भारतीय रेलवे के औद्योगिक विकास में मील का पत्थर है। यह न केवल तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत कदम है, बल्कि देश के लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर को भी मजबूती देगा।

150वा रेल इंजन बनने पर उत्साहित कर्मी।

दैनिक जागरण

150वें इंजन को राष्ट्र को समर्पित करते चिरेका अधिकारी व कर्मी • जागरण

चिरेका की इकाई डानकुनी ने रचा इतिहास

जागरण संवाददाता, जामताड़ाः चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना (चिरेका) की सहायक इकाई ईएलएएयू डानकुनी ने नया इतिहास रच दिया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 150वें विद्युत रेल इंजन का निर्माण कर अपनी दक्षता और उत्पादन क्षमता का उदाहरण प्रस्तुत किया है। सोमवार को चिरेका के महाप्रबंधक विजय कुमार ने डानकुनी में इंजन डब्ल्यूएजी- 9 एससी 42476 को हरी झंडी दिखाकर राष्ट्र को समर्पित किया। विभागों के प्रधान मुख्य विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद थे।

महाप्रबंधक विजय कुमार ने कहा कि यह सफलता कर्मियों की मेहनत, कार्यकुशलता और अटूट समर्पण का प्रमाण है। हमें इसी ऊर्जा और समन्वय के साथ आगे बढ़ना होगा। डानकुनी इकाई ने पिछले वर्ष 101 रेल इंजनों का निर्माण किया था। इस वर्ष 150 इंजनों के निर्माण के साथ अब तक का सबसे अधिक वार्षिक उत्पादन दर्ज किया गया है। यह आंकड़ा डानकुनी के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि है। कहा यह शानदार उपलब्धि ऐसे समय में आई है जब चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स अपनी 75वीं वर्षगांठ मना रहा है और भारतीय रेलवे विद्युत कर्षण के 100 वर्ष पूरे होने का उत्सव मना रही है।

प्रभात खबर
25.03.2025

इएलएएयू डानकुनी इकाई ने 150वें रेल इंजन को किया रवाना

मिहिजाम. भारतीय रेल की अग्रणी इलेक्ट्रिक रेल इंजन चिरेका की सहायक इकाई इएलएएयू डानकुनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में 150 रेल ईंजन का उत्पादन कर सफलता का नया मुकाम हासिल किया है. चिरेका महाप्रबंधक विजय कुमार ने सोमवार को चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना के इलेक्ट्रिकल लोको असेंबली और सहायक इकाई (ईएलएएयू) डानकुनी से उत्पादित 150वें रेलईंजन (डब्ल्यूएजी 9 एचसी 42476) को झंडी दिखाकर रवाना किया. इसे देश सेवा के लिए समर्पित किया. मौके पर विभिन्न विभागों के प्रधान मुख्य विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे. इस अवसर पर विजय कुमार ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता सभी के कार्य कुशलता के साथ कड़ी मेहनत और समर्पित प्रयासों का परिणाम है. आगे भी यह ऐतिहासिक सफलता का सफर जारी रहे इसके लिए एकजुटता के साथ हम सभी का प्रयास जारी रहना चाहिए.

हिन्दुस्तान

सहायक इकाई डानकुनी से 150वां इंजन रवाना

सोमवार को डानकुनी में तैयार रेल इंजन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते चिरेका महाप्रबंधक विजय कुमार व अन्य।

चिरेका

मिहिजाम,प्रतिनिधि। भारतीय रेल की अग्रणी विद्युत रेल इंजन इकाई चिरेका की सहायक इकाई ईएलएएयू डानकुनी ने वित्तीय वर्ष 2024 -25 में 150 रेल इंजन का निर्माण कर सफलता का नया मुकाम हासिल किया है। सोमवार को चिरेका महाप्रबंधक विजय कुमार ने चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना की इलेक्ट्रिकल लोको असेंबली और सहायक इकाई (ईएलएएयू) डानकुनी से उत्पादित 150वें रेल इंजन (डब्ल्यूएजी 9 एचसी 42476) को समारोह पूर्वक झंडी दिखाकर रवाना किया और इसे देश सेवा के लिए समर्पित किया गया।

मौके पर विभागों के प्रधान मुख्य विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी गण और कर्मचारी मौजूद थे। इस अवसर पर चिरेका महाप्रबंधक ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता आप सभी के कार्य कुशलता के साथ कड़ी मेहनत और समर्पित प्रयास का परिणाम है।

आगे भी यह ऐतिहासिक सफलता का सफर जारी रहे, इसके लिए एकजुटता के साथ हम सभी को प्रयास जारी रहना चाहिए। डानकुनी द्वारा यह अब तक का सर्वाधिक लोकोमोटिव उत्पादन उपलब्धि ऐतिहासिक गौरव का कीर्तिमान है जो चिरेका के 75वें गौरवशाली स्थापना वर्ष के उत्सव और भारतीय रेल के विद्युत कर्षण के 100 वर्ष पूरे होने के उत्सव का एक हिस्सा है। यहां यह उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष डानकुनी ने कुल 101 लोकोमोटिव का उत्पादन किया था। इस वर्ष 150 लोकोमोटिव का उत्पादन, इसकी स्थापना के बाद से किसी भी वित्तीय वर्ष में अब तक का ऐतिहासिक उच्चतम उत्पादन आंकड़ा है।

SANMARG/KOLKATA
DATE:- 25.03.25

चिरेका की ईएलएएयू डानकुनी इकाई ने किया 150वें रेल इंजन को रवाना

150वें रेल इंजन को रवाना करते चिरेका के विरीय अधिकारी

सन्मार्ग संवाददाता

चित्तरंजन : भारतीय रेल की अग्रणी विद्युत रेल इंजन इकाई चिरेका की सहायक इकाई ईएलएएयू डानकुनी ने वित्त वर्ष 2024-25 के 150 वें रेल इंजन का निर्माण कर सफलता का नया मुकाम हासिल किया है। चिरेका के महाप्रबंधक विजय कुमार चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना (चिरेका) की इलेक्ट्रिकल लोको असेंबली और सहायक इकाई (ईएलएएयू) डानकुनी से उत्पादित 150वें रेल इंजन (डब्ल्यूएजी 9 एचसी 42476) को समारोह पूर्वक झंडी दिखाकर रवाना किया और इसे देश सेवा के लिए समर्पित किया गया। मौके पर विभागों के प्रधान मुख्य विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचार मौजूद थे। इस अवसर पर विजय कुमार ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता सभी की कार्य कुशलता के साथ कड़ी मेहनत और समर्पित प्रयास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि डानकुनी द्वारा यह अब तक का सर्वाधिक लोकोमोटिव उत्पादन उपलब्धि ऐतिहासिक गौरव का कीर्तिमान है जो चिरेका के 75वें गौरवशाली स्थापना वर्ष के उत्सव और भारतीय रेल के विद्युत कर्षण के 100 वर्ष पूरे होने के उत्सव का एक हिस्सा है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष डानकुनी ने कुल 101 लोकोमोटिव का उत्पादन किया था। इस वर्ष 150 लोकोमोटिव का उत्पादन, इसकी स्थापना के बाद से किसी भी वित्तीय वर्ष में अब तक का ऐतिहासिक उच्चतम उत्पादन आंकड़ा है।

दैनिक विश्वमित्र

है। सभी एक साथ मिलकर ये नारे

शिल्पांचल समाचार

चिरेका से 150वां रेल इंजन हुआ रवाना

चित्तरंजन, 24 मार्च (नि.प्र.)। भारतीय रेल की अग्रणी विद्युत् रेल इंजन इकाई चिरेका की सहायक इकाई ईएलएएयू डानकुनी ने वित्त वर्ष 2024 –25 के 150 रेल इंजन का निर्माण कर सफलता का नया मुकाम हासिल किया है। श्री विजय कुमार, महाप्रबंधक/चिरेका ने आज 24 मार्च को चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना (चिरेका) की इलेक्ट्रिकल लोको असेंबली और सहायक इकाई (ईएलएएयू) डानकुनी से उत्पादित 150वें रेल इंजन को समारोह पूर्वक झंडी दिखाकर रवाना किया और इसे देश सेवा के लिए समर्पित किया गया। मौके पर विभागों के प्रधान मुख्य विभागाध्यक्ष गण ,वरिष्ठ अधिकारी गण और कर्मचारीगण मौजूद थे। इस अवसर पर श्री कुमार ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता आप सभी के कार्य कुशलता के साथ कड़ी मेहनत और समर्पित प्रयास का परिणाम है। आगे भी यह ऐतिहासिक सफलता का सफर जारी रहे इसके लिए एकजुटता के साथ हम सभी को प्रयास जारी रहना चाहिए। डानकुनी द्वारा यह अब तक का सर्वाधिक लोकोमोटिव उत्पादन उपलब्धि ऐतिहासिक गौरव का कीर्तिमान है जो चिरेका के 75वें गौरवशाली स्थापना वर्ष के उत्सव और भारतीय रेल के विद्युत कर्षण के 100 वर्ष पूरे होने के उत्सव का एक हिस्सा है। यहां यह उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष डनकुनी ने कुल 101 लोकोमोटिव का उत्पादन किया था, इस वर्ष 150 लोकोमोटिव का उत्पादन, इसकी स्थापना के बाद से किसी भी वित्तीय वर्ष में अब तक का ऐतिहासिक उच्चतम उत्पादन आंकड़ा है।

प्रकाश
हिन्दी दैनिक

चिरेका की ईएलएएयू डानकुनी इकाई ने किया 150वें रेल इंजन को रवाना

चित्तरंजन ,24, मार्च,2025 , भारतीय रेल की अग्रणी विद्युत् रेल इंजन इकाई चिरेका की सहायक इकाई ईएलएएयू डानकुनी ने वित्त वर्ष 2024 –25 के 150 रेल इंजन का निर्माण कर सफलता का नया मुकाम हासिल किया है। श्री विजय कुमार, महाप्रबंधक/चिरेका ने आज 24 मार्च को चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना (चिरेका) की इलेक्ट्रिकल लोको असेंबली और सहायक इकाई (ईएलएएयू) डानकुनी से उत्पादित 150वें रेल इंजन (WAG 9 HC 42476) को समारोह पूर्वक झंडी दिखाकर रवाना किया और इसे देश सेवा के लिए समर्पित किया गया। मौके पर विभागों के प्रधान मुख्य विभागाध्यक्ष गण ,वरिष्ठ अधिकारी गण और कर्मचारीगण मौजूद थे।

इस अवसर पर श्री कुमार ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता आप सभी के कार्य कुशलता के साथ कड़ी मेहनत और समर्पित प्रयास का परिणाम है। आगे भी यह ऐतिहासिक सफलता का सफर जारी रहे इसके लिए एकजुटता के साथ हम सभी को प्रयास जारी रहना चाहिए।

डानकुनी द्वारा यह अब तक का सर्वाधिक लोकोमोटिव उत्पादन उपलब्धि ऐतिहासिक गौरव का कीर्तिमान है जो चिरेका के 75वें गौरवशाली स्थापना वर्ष के उत्सव और भारतीय रेल के विद्युत कर्षण के 100 वर्ष पूरे होने के उत्सव का एक हिस्सा है। यहां यह उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष डनकुनी ने कुल 101 लोकोमोटिव का उत्पादन किया था, इस वर्ष 150 लोकोमोटिव का उत्पादन, इसकी स्थापना के बाद से किसी भी वित्तीय वर्ष में अब तक का ऐतिहासिक उच्चतम उत्पादन आंकड़ा है।

भारतमित्र
BHARATMITRA, KOLKATA, TUESDAY, 25 MARCH 2025

चिरेका की ईएलएएयू डानकुनी इकाई ने किया 150वें रेल इंजन को रवाना

चित्तरंजन । भारतीय रेल की अग्रणी विद्युत् रेल इंजन इकाई चिरेका की सहायक इकाई ईएलएएयू डानकुनी ने वित्त वर्ष 2024 -25 के 150 रेल इंजन का निर्माण कर सफलता का नया मुकाम हासिल किया है। श्री विजय कुमार, महाप्रबंधक/चिरेका ने आज 24 मार्च को चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना (चिरेका) की इलेक्ट्रिकल लोको असेंबली और सहायक इकाई (ईएलएएयू) डानकुनी से उत्पादित 150वें रेल इंजन को समारोह पूर्वक झंडी दिखाकर रवाना किया और इसे देश सेवा के लिए समर्पित किया गया। मौके पर विभागों के प्रधान मुख्य विभागाध्यक्ष गण ,वरिष्ठ अधिकारी गण और कर्मचारीगण मौजूद थे। इस अवसर पर श्री कुमार ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता आप सभी के कार्य कुशलता के साथ कड़ी मेहनत और समर्पित प्रयास का परिणाम है।

PARIKHIT/KOLKATA
DATE:- 25.03.25

चिरेका की ईएलएएयू डानकुनी इकाई ने किया 150वें रेल इंजन को रवाना

चित्तरंजन ,24.03.2025 ; भारतीय रेल की अग्रणी विद्युत रेल इंजन इकाई चिरेका की सहायक इकाई ईएलएएयू डानकुनी ने वित्त वर्ष 2024 - 25 के 150 रेल इंजन का निर्माण कर सफलता का नया मुकाम हासिल किया है। श्री विजय कुमार, महाप्रबंधक/चिरेका ने आज 24 मार्च को चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना (चिरेका) की इलेक्ट्रिकल लोको असेंबली और सहायक इकाई (ईएलएएयू) डानकुनी से उत्पादित 150वें रेल इंजन (ज़्ज़्क्र 9 त्तम 42476) को समारोह पूर्वक झंडी दिखाकर रवाना किया और इसे देश सेवा के लिए समर्पित किया गया। मौके पर विभागों के प्रधान मुख्य विभागाध्यक्ष गण ,वरिष्ठ अधिकारी गण और कर्मचारीगण मौजूद थे।

इस अवसर पर श्री कुमार ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता आप सभी के कार्य कुशलता के साथ कड़ी मेहनत और समर्पित प्रयास का परिणाम है। आगे भी यह ऐतिहासिक सफलता का सफर जारी रहे इसके लिए एकजुटता के साथ हम सभी को प्रयास जारी रहना चाहिए।

डानकुनी द्वारा यह अब तक का सर्वाधिक लोकोमोटिव उत्पादन उपलब्धि ऐतिहासिक गौरव का कीर्तिमान है जो चिरेका के 75वें गौरवशाली स्थापना वर्ष के उत्सव और भारतीय रेल के विद्युत कर्षण के 100 वर्ष पूरे होने के उत्सव का एक हिस्सा है। यहां यह उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष डनाकुनी ने कुल 101 लोकोमोटिव का उत्पादन किया था, इस वर्ष 150 लोकोमोटिव का उत्पादन, इसकी स्थापना के बाद से किसी भी वित्तीय वर्ष में अब तक का ऐतिहासिक उच्चतम उत्पादन आंकड़ा है।

INFO INDIA/KOLKATA

DATE:- 25.03.25

चिरेका की ईएलएएयू डानकुनी इकाई ने किया 150वें रेल इंजन को रवाना

चित्तरंजन, 24 मार्च । भारतीय रेल की अग्रणी विद्युत् रेल इंजन इकाई चिरेका की सहायक इकाई ईएलएएयू डानकुनी ने वित्त वर्ष 2024 -25 के 150 रेल इंजन का निर्माण कर सफलता का नया मुकाम हासिल किया है। श्री विजय कुमार, महाप्रबंधक/चिरेका ने आज 24 मार्च को चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना (चिरेका) की इलेक्ट्रिकल लोको असेंबली और सहायक इकाई (ईएलएएयू) डानकुनी से उत्पादित 150वें रेल इंजन (थअत्रः 9 कठ 42476) को समारोह पूर्वक झंडी दिखाकर रवाना किया और इसे देश सेवा के लिए समर्पित किया गया। मौके पर विभागों के प्रधान मुख्य विभागाध्यक्ष गण ,वरिष्ठ अधिकारी गण और कर्मचारीगण मौजूद थे। इस अवसर पर श्री कुमार ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता आप सभी के कार्य कुशलता के साथ कड़ी मेहनत और समर्पित प्रयास का परिणाम है। आगे भी यह ऐतिहासिक सफलता का सफर जारी रहे इसके लिए एकजुटता के साथ हम सभी को प्रयास जारी रहना चाहिए। डानकुनी द्वारा यह अब तक का सर्वाधिक लोकोमोटिव उत्पादन उपलब्धि ऐतिहासिक

गौरव का कीर्तिमान है जो चिरेका के 75वें गौरवशाली स्थापना वर्ष के उत्सव और भारतीय रेल के विद्युत कर्षण के 100 वर्ष पूरे होने के उत्सव का एक हिस्सा है। यहां यह उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष डनकुनी ने कुल 101 लोकोमोटिव का उत्पादन किया था, इस वर्ष 150 लोकोमोटिव का उत्पादन, इसकी स्थापना के बाद से किसी भी वित्तीय वर्ष में अब तक का ऐतिहासिक उच्चतम उत्पादन आंकड़ा है।

BIHAR OBSERVER/KOLKATA

DATE:- 25.03.25

डानकुनी इकाई ने किया 150वें रेल इंजन को रवाना

चित्तरंजन (ससे): भारतीय रेल की अग्रणी विद्युत् रेल इंजन इकाई चिरेका की सहायक इकाई ईएलएएयू डानकुनी ने वित्त वर्ष २०२४ -२५ के १५० रेल इंजन का निर्माण कर सफलता का नया मुकाम हासिल किया है। श्री विजय कुमार, महाप्रबंधक/ चिरेका ने आज २४ मार्च को चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना (चिरेका) की इलेक्ट्रिकल लोको असेंबली और सहायक इकाई (ईएलएएयू) डानकुनी से उत्पादित १५०वें रेल इंजन (थ-ऋ ९ कउ ४२४७६) को समारोह पूर्वक झंडी दिखाकर रवाना किया और इसे देश सेवा के लिए समर्पित किया गया। मौके पर विभागों के प्रधान मुख्य विभागाध्यक्ष गण ,वरिष्ठ अधिकारी गण और कर्मचारीगण मौजूद थे।

इस अवसर पर श्री कुमार ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता आप सभी के कार्य कुशलता के साथ कड़ी मेहनत और समर्पित प्रयास का परिणाम है। आगे भी यह ऐतिहासिक सफलता का सफर जारी रहे इसके लिए एकजुटता के साथ हम सभी को प्रयास जारी रहना चाहिए।

डानकुनी द्वारा यह अब तक का सर्वाधिक लोकोमोटिव उत्पादन उपलब्धि ऐतिहासिक गौरव का कीर्तिमान है जो चिरेका के ७५वें गौरवशाली स्थापना वर्ष के उत्सव और भारतीय रेल के विद्युत कर्षण के १०० वर्ष पूरे होने के उत्सव का एक हिस्सा है। यहां यह उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष डनकुनी ने कुल १०१ लोकोमोटिव का उत्पादन किया था, इस वर्ष १५० लोकोमोटिव का उत्पादन, इसकी स्थापना के बाद से किसी भी वित्तीय वर्ष में अब तक का ऐतिहासिक उच्चतम उत्पादन आंकड़ा है।

INDIAN PUNCH/DEOGHAR
DATE:-25.03.25

सभी पदाधिकारियों व कर्मियों की कार्य कुशलता, कड़ी मेहनत और समर्पित प्रयास का परिणाम है : महाप्रबंधक

चिरेका की ईएलएएयू डानकुनी इकाई ने किया 150वें रेल इंजन को रवाना

चित्तरंजन। संवाददाता।

भारतीय रेल की अग्रणी विद्युत रेल इंजन इकाई चिरेका की सहायक इकाई ईएलएएयू डानकुनी ने वित्त वर्ष 2024 -25 के 150 रेल इंजन का निर्माण कर सफलता का नया मुकाम हासिल किया है। महाप्रबंधक विजय कुमार ने 24 मार्च को चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना की इलेक्ट्रिकल लोको असेंबली और सहायक इकाई (ईएलएएयू) डानकुनी से उत्पादित 150वें रेल इंजन को समारोह पूर्वक झंडी दिखाकर रवाना किया और इसे देश सेवा के लिए समर्पित किया गया। मौके पर विभागों के प्रधान मुख्य विभागाध्यक्ष गण, वरिष्ठ अधिकारी गण और कर्मचारीगण मौजूद थे।

इस अवसर पर श्री कुमार ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता आप सभी के कार्य कुशलता के साथ कड़ी मेहनत और समर्पित प्रयास का परिणाम है। आगे भी यह ऐतिहासिक सफलता का सफर जारी रहे इसके लिए एकजुटता के साथ हम सभी को प्रयास जारी रहना चाहिए।

डानकुनी की ओर से यह अब तक का सर्वाधिक लोकोमोटिव उत्पादन उपलब्धि ऐतिहासिक गौरव का कीर्तिमान है, जो चिरेका के 75वें गौरवशाली स्थापना वर्ष के उत्सव और भारतीय रेल के विद्युत कर्षण के 100 वर्ष पूरे होने के उत्सव का एक हिस्सा है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष डानकुनी ने कुल 101 लोकोमोटिव का उत्पादन किया था, इस वर्ष 150 लोकोमोटिव का उत्पादन, इसकी स्थापना के बाद से किसी भी वित्तीय वर्ष में अब तक का ऐतिहासिक उच्चतम उत्पादन आंकड़ा है।

PG No:-03

• Darpan of India • Kolkata, Tuesday, 25 March 2025 3

Remarkable achievement:: elaau dankuni clw rolls out 150 electric locos in FY 2024-25

DOI CORRESPONDENT

Chittaranjan/ Dankuni , 24 March: Electrical loco Assembly and Ancillary Unit (ELAAU) Dankuni of Chittaranjan Locomotive Works (CLW) has witnessed another history by turning out 150 electric locomotives in the financial year 2024-25. Shri Vijay Kumar, General Manager flagged off the 150th Locomotive & dedicated it to the service of the Nation from Dankuni on 24.03.2025.Principal heads of deptts.,Sr.Officers & staff were present on the occasion & witnessed the flagging off.

This all time highest locomotives production achievement from Dankuni is historic proud moment and is a part of CLW's 75 Glorious year's celebration & Celebration of 100 years of Electric traction over Indian Railways.

It is mentioned here that, last year Dankuni had produced a total of 101 locos, this year the production of 150 Locomotives achieved is a historical all time highest so far in a single financial year, since its inception.

Shri Vijay Kumar, General Manager congratulated the entire Dankuni team of loco production and appreciated their effort in producing 150 locomotives successfully.

THE ECHO OF INDIA/KOLKATA
DATE:- 25.03.25

ELAAU Dankuni CLW rolls out 150 Electric Locos in FY 2024-25

EOI CORRESPONDENT

CHITTARANJAN/DANKUNI, MARCH 24/--/Electrical loco Assembly and Ancillary Unit (ELAAU) Dankuni of Chittaranjan Locomotive Works (CLW) has witnessed another history by turning out 150 electric locomotives in

the financial year 2024-25. Vijay Kumar, General Manager flagged off the 150th Locomotive & dedicated it to the service of the Nation from Dankuni on 24.03.2025.Principal heads of deptts.,Sr.Officers & staff were present on the occasion & witnessed the flagging off.

This all-time highest locomotives production achievement from Dankuni is historic proud moment and is a part of CLW's 75 Glorious year's celebration & Celebration of 100 years of Electric traction over Indian Railways.

It is mentioned here that, last year Dankuni had produced a total of 101 locos, this year the production of 150 Locomotives achieved is a historical all time highest so far in a single financial year, since its inception.

Mr Kumar congratulated the entire Dankuni team of loco production and appreciated their effort in producing 150 locomotives successfully.